उत्तराखण्ड – एक परिचय

उत्तराखण्ड एक नये राज्य के रूप में 09 नवम्बर 2000 को अस्तित्व में आया। वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर उत्तराखण्ड के 53,483 वर्ग किमी0 क्षेत्र में कुल आबादी 101.16 लाख है, तथा जनसंख्या घनत्व 189 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी0 है। उत्तराखण्ड के 13 जनपदों में अधिकतम जनसंख्या घनत्व 648 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी0 जनपद उधमसिंह नगर में है तथा न्यूनतम जनसंख्या घनत्व 41 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी0 जनपद उत्तरकाशी में है। 2001–2011 के दशक के दौरान उत्तराखण्ड के विभिन्न जनपदों में जनसंख्या वृद्वि की दर अलग रही जो कि अधिकतम 33.40% ऊधमसिंह नगर व न्यूनतम -1.73% अल्मोड़ा में रही।

जनसंख्यात्मक आँकडे – एक दृष्टि में

क्र.सं.	विवरण		2001	2011
1.	जनसंख्या	पुरूष	43.26	51.54
		महिला	41.63	49.62
		योग	**84.89 लाख**	**101.16 लाख**
2.	जनसंख्या घनत्व		159	189
3.	लिंग अनुपात		962	963
4.	दशकीय जनसंख्या वृद्वि दर		19.34	19.17

स्रोत–प्रेस कांफ्रेस, 02 अप्रैल, 2011 निदेशक, जनगणना उत्तराखण्ड, देहरादून।

भूमि उपयोग के आँकड़ों से स्पष्ट होता है कि राज्य का सबसे बड़ा हिस्सा, जो कि राज्य के कुल क्षेत्रफल का 63 प्रतिशत् है वनों से आच्छादित है। जनपदों में वन क्षेत्र न्यूनतम 23 प्रतिशत (हरिद्वार) व अधिकतम 89 प्रतिशत् (उत्तरकाशी) है। कुल उपज क्षेत्र 14 प्रतिशत है। कुल उपज क्षेत्र में विविधता है जो कि 4–5 प्रतिशत् उत्तरकाशी, चमोली व हरिद्वार में 63 प्रतिशत् तक है।

13 जनपदों में से 7 जनपद उच्च लिगांनुपात (प्रति हजार पुरूषों पर महिलाओं की संख्या) को प्रदर्शित करते हैं जो कि 1020 से 1142 की सीमा तक है। आज भी रेलवे नेटवर्क की पहुँच बहुत सीमित है। राज्य के 95 विकास खण्डों में से केवल 24 विकास खण्ड मुख्यालय ही रेल मार्ग से 0–49 कि.मी. दूरी के अंतर्गत आते हैं। सभी जनपदों में जागरूकता एवं शैक्षिक स्तर समान रूप से उच्च स्तर का है। प्रशासनिक रूप से राज्य के घटक निम्नवत है–

राज्य का प्रशासनिक ढाँचाः

- 02 प्रशासनिक डिवीजन
- 13 जनपद
- 82 तहसील
- 95 विकास खण्ड
- 670 न्याय पंचायत
- 7555 ग्राम पंचायत
- 16793 राजस्व ग्राम
- 15745 आबाद गांव
- 065 गैर आबाद गांव

कस्बा/शहरी क्षेत्रों का ढाँचाः

- 06 नगर निगम
- 38 नगर पंचायत
- 41 जनगणना शहर
- 06 विकास प्राधिकरण
- 28 नगर पालिका परिषद
- 09 केन्टोनमेन्ट बोर्ड
- 02 औद्योगिक शहर

श्रोत – आर्थिक समीक्षा वर्ष 2012–13, अर्थ एवं संख्या निदेशालय, उत्तराखण्ड।

भौतिक संरचना, जनसंख्या वितरण तथा विकास के मुद्दे

उत्तराखण्ड में ग्रामीण जनसंख्या का वितरण अभी तक असमान है। ग्रामीण जनसंख्या का अधिकतम जनसंख्या घनत्व राज्य के दक्षिणी भाग में केंद्रित है, जिसमें देहरादून (दूनघाटी), हरिद्वार, ऊधमसिंह नगर और नैनीताल जिले का कुछ भाग शामिल है, जहाँ जनसंख्या घनत्व सर्वाधिक है। इन जनपदों में अधिक जनसंख्या घनत्व का मुख्य कारण, स्पष्टतः इनका ऊपरी दोआब (दो नदियों के बीच का प्रदेश), तराई, भावर और दूनघाटी के उपजाऊ मैदानी क्षेत्र में स्थित होना है। आंतरिक हिमालय क्षेत्र में कई स्थानों में जनसंख्या घनत्व (69–225) तक है। इसमें नैनीताल, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, चम्पावत और बागेश्वर जिलों के अतिरिक्त बाहरी हिमालय में पौड़ी गढ़वाल के कुछ निर्जन क्षेत्र, टिहरी, चमोली और रूद्रप्रयाग जिलों के कुछ भाग स्थित हैं।

वृहद् हिमालय क्षेत्र में जनसंख्या वितरण बहुत कम है, जिसमें उत्तरकाशी, रूद्रप्रयाग, चमोली और पिथौरागढ़ जिले शामिल हैं। इन जिलों का अधिकतम भाग हिमाच्छादित, अनउपजाऊ तथा वीरान है। अधिकांश शहरों में नगर पालिकाएँ (Municipalities) या तो ऊपरी दोआब, तराई–भावर और दून घाटी क्षेत्रों के सघन जनसंख्या वाले क्षेत्रों में अथवा मुख्यतः नदी के किनारे वाले क्षेत्रों में स्थापित हैं। यह स्थिति विशिष्टतः गढ़वाल में है। नदी के किनारे वाले क्षेत्रों में प्रमुख पर्यटक केन्द्र तथा विश्राम स्थल हैं, जहाँ से यात्री हिमालय के पवित्र स्थानों के लिए यात्रा करते हैं।

उत्तराखण्ड में जिलेवार व लिंगवार जनसंख्या वितरण–2011

क्रम संख्या	राज्य / जिला	जनसंख्या 2001			जनसंख्या 2011		
		व्यक्ति	पुरूष	स्त्रियाँ	व्यक्ति	पुरूष	स्त्रियाँ
1	उत्तरकाशी	295013	152016	142997	329686	168335	161351
2	चमोली	370359	183745	186614	391114	193572	197542
3	रूद्रप्रयाग	227439	107535	119904	236857	111747	125110
4	टिहरी गढ़वाल	604747	295168	309579	616409	296604	319805
5	देहरादून	1282143	679583	602560	1698560	893222	805338
6	पौड़ी गढ़वाल	697078	331061	366017	686527	326406	360121
7	पिथौरागढ़	462289	227615	234674	485993	240427	245566
8	बागेश्वर	247163	117374	129789	259840	124121	135719
9	अल्मोडा	632866	294984	337882	621927	290414	331513
10	चम्पावत	224542	111084	113458	259315	130881	128434
11	नैनीताल	762909	400254	362655	955128	494115	461013
12	ऊधमसिंह नगर	1235614	649484	586130	1648367	858906	789461
13	हरिद्वार	1447187	776021	671166	1927029	1025428	901601
	उत्तराखण्ड	**8489349**	**4325924**	**4163425**	**10116752**	**5154178**	**4962574**

स्रोत–प्रेस कांफ्रेस, 02 अप्रैल, 2011 निदेशक, जनगणना उत्तराखण्ड, देहरादून।

आर्थिक स्थिति

उत्तराखण्ड की अधिकांश जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में मुख्यतः घाटियों तथा पर्वतीय ढलानों पर निवास करती है। इन क्षेत्रों में 30–40 परिवार मिलकर एक बस्ती बनाते हैं और सामान्य संसाधनों का आदान–प्रदान करते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक आर्थिक दशा मुख्यतः कृषि, भेड़ पालन तथा पर्यटन पर आधारित है। कृषि को जीविका के साधन के रूप में अपनाया गया है। सिंचाई वाले क्षेत्रों में ''धान'' मुख्य फसल है तथा असिंचित क्षेत्रों में मक्का मुख्य रूप से उगाई जाती है। स्थानीय स्तर पर उगाई जाने वाली अनाजों तथा दालों में भट्ट (सोयाबीन), गहत तथा मँडुवा सम्मिलित है। गाँव, खाद व पानी के लिए निकट के जंगलों पर निर्भर हैं। व्यक्तिगत भू–स्वामित्व कम मात्रा में व छितरी हुई स्थिति में है। यथासम्भव जानवरों की शक्ति का भूमि जोतने में प्रयोग किया जाता है। दूसरा विकल्प मानव श्रम है, यान्त्रिक कृषि का प्रश्न ही नहीं है।

भौतिक संसाधन

राज्य गठन के पश्चात से ही बिजली, सड़क, स्वास्थ्य और पेयजल सुविधाओं की दृष्टि से बहुत तेजी से विकास हुआ है। राज्य में 94 प्रतिशत पेयजल सुविधा उपलब्ध है। गाँवों को ग्रामीण सड़क योजनाओं व अन्य योजनाओं से एक दूसरे से जोड़ा जा रहा है जबकि बिजली की स्थिति को कई तरीकों से ठीक किया जा रहा है।

उत्तराखण्ड संभावनाओं की भूमि

उत्तराखण्ड प्राचीन भारतीय संस्कृति का एक प्रमुख स्तंभ है जिसमें चार धाम, वन्य जीवन, साहसिक पर्यटन तथा जल विद्युत हेतु अपार संभावना है। विशाल, विविधतापूर्ण उत्तराखण्ड प्रत्येक धार्मिक यात्री, पर्यटक, सप्ताहान्त ट्रेकर, पर्वतारोही, भक्तों, ज्ञान पिपासुओं, प्रकृति प्राणियों, साधु, सन्तों व सन्यासियों के लिए न भूलने वाला स्थान है। पौराणिकता, साहसिक, इको टूरिज्म व शिक्षा के सभी अवसर हैं इसीलिए उत्तराखण्ड को स्वर्ग तुल्य कहा जाता है।

साक्षरता स्थिति

साक्षरता की दृष्टि से उत्तराखण्ड देश में 17 वें स्थान पर है। विभिन्न सरकारी हस्तक्षेपों की मदद से राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में आशातीत प्रगति हुई है। सम्पूर्ण भारत के औसत 74.04 प्रतिशत के सापेक्ष राज्य का साक्षरता प्रतिशत 79.63 है। 2011 की जनगणना के आँकड़े दर्शाते हैं कि उत्तराखण्ड में, पुरूष व महिला की साक्षरता क्रमशः 88.33 प्रतिशत और 70.70 प्रतिशत है जो दर्शाता है कि लैंगिक असमानता अभी भी उत्तराखण्ड में एक मुद्दा है।

उत्तराखण्ड में जिलेवार व लिंगवार साक्षरता दर – 2011

क्रम संख्या	राज्य / जिला	साक्षरता दर		
		व्यक्ति	पुरूष	स्त्रियाँ
1	उत्तरकाशी	75.98	89.62	62.23
2	चमोली	83.48	94.18	73.20
3	रूद्रप्रयाग	82.09	94.97	70.94
4	टिहरी गढ़वाल	75.10	89.91	61.77
5	देहरादून	85.24	90.32	79.61
6	पौड़ी गढ़वाल	82.59	93.18	73.26
7	पिथौरागढ़	82.93	93.45	72.97
8	बागेश्वर	80.69	93.20	69.59
9	अल्मोड़ा	81.06	93.57	70.44
10	चम्पावत	80.73	92.65	68.81
11	नैनीताल	84.85	91.09	78.21
12	ऊधमसिंह नगर	74.44	82.48	65.73
13	हरिद्वार	74.62	82.26	65.96
	उत्तराखण्ड	**79.63**	**88.33**	**70.70**

स्रोत–प्रेस कांफ्रेंस 02अप्रैल, 2011 निदेशक, जनगणना उत्तराखण्ड, देहरादून।